an>

Title: Need to review the decision to deport families migrated from Pakistan and presently living in India.

श्री हुकुम सिंह (कैराना) ः मैं सरकार के संज्ञान में एक बहुत ही मार्मिक व संवेदनशील विषय लाना चाहता हूं। भारत में सैंकड़ों ऐसे परिवार हैं, जो पाकिस्तान में रहते थे परंतु पक्षपात के कारण वहां की सरकार से उत्पीड़ित होने के कारण जिन्होंने विवश होकर भारत में शरण ली। संयोग से ये परिवार हिन्दू हैं। यहां पर रहकर किसी प्रकार अपने परिवार का पालन-पोषण करत रहे तथा निरंतर प्रयास करते रहे कि इनको भारत में रहने की अनुमति मिल जायेगी, परंतु दुर्भाग्य से इन सब परिवारों को निराशा ही हाथ लग रही है। विगत एक वर्ष में लगभग 100 ऐसे परिवार है जो सिंधी या कुच्छी गुजराती समाज से संबंधित थे, हताश होकर पाकिस्तान चले गये। मोतीराम खतरी नामक एक व्यक्ति का परिवार सन् 2009 से गुजरात के अहमदाबद में रह रहा है, अपने अथक प्रयासों के बाद भी यह परिवार न तो अपना वीजा बढ़वाने में सफल रहा और न ही यहां की नागरिकता पाने में सफल रहा। संरक्षण मिलने के बजाए ऐसे परिवार वीजा नियमों का उल्लंघन के आरोप लगने के कारण परेशान एवं चिंतित हैं। हिंदू होने के कारण यह लोग न तो पाकिस्तान में सुरक्षित हैं और न ही भारत में इनको संरक्षण मिल पा रहा है। एक ओर तो अदनान सामी नामक गायक जो कि पाकिस्तान का नागरिक था, को भारतीय नागरिकता प्रदान की गई वहीं दूसरी ओर इन निराश्रित हिंदू परिवारों को भारत छोड़ने पर विवश किया जा रहा है।

मेरी सरकार से अपील है कि मानवीय आधार पर इन सभी परिवारों को भारत में रहने की अनुमति दी जाये ताकि यह लोग एक सम्मानित व सुरक्षित जीवन व्यतीत कर सकें।